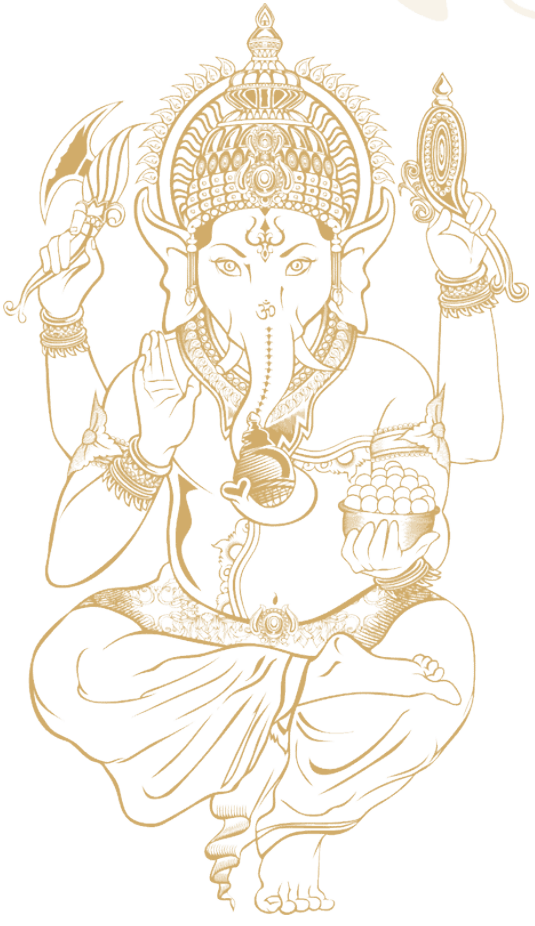

Mr. Narayan sharma

09 Aug 2000

09:15 AM

Ratangarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 120541402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/08/2000**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**09:15:34 घंटे**
इष्ट	08:16:03 घटी
स्थान	**Ratangarh**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:55:00 उत्तर
रेखांश	74:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:43:58 घंटे
वेलान्तर	-00:05:28 घंटे
साम्पातिक काल	05:55:46 घंटे
सूर्योदय	05:57:08 घंटे
सूर्यास्त	19:16:26 घंटे
दिनमान	13:19:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	23:00:15 कर्क
लग्न के अंश	05:12:18 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	ऐन्द्र
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नो-नौनिहाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	05:12:18	317:25:28	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			कर्क	23:00:15	00:57:31	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	16:50:18	11:59:39	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	नीच राशि
मंगल		अ	कर्क	11:22:19	00:38:39	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	नीच राशि
बुध			कर्क	09:38:53	01:52:30	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
गुरु			वृष	13:20:23	00:08:44	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	09:07:17	01:13:46	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
शनि			वृष	06:05:03	00:03:30	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु			कर्क	00:37:26	00:01:46	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
केतु			मक	00:37:26	00:01:46	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	25:04:02	00:02:23	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप	व		मक	10:59:19	00:01:35	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	16:19:41	00:00:23	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मिथु	05:09:52	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:41

लग्न-चलित

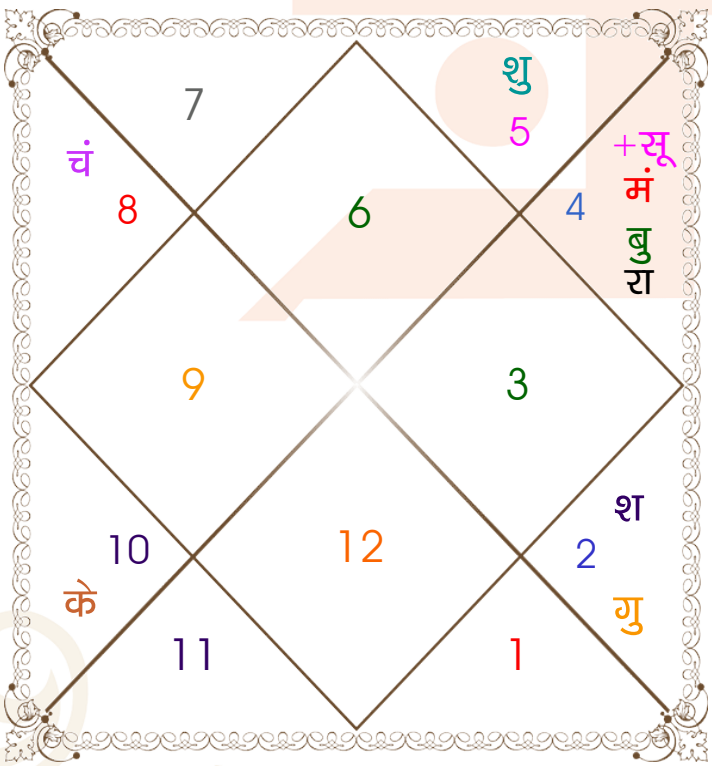

चन्द्र कुंडली

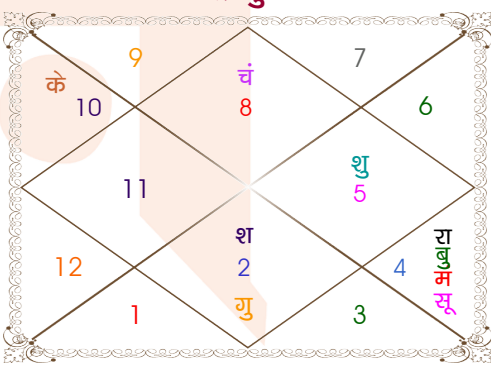

नवमांश कुंडली

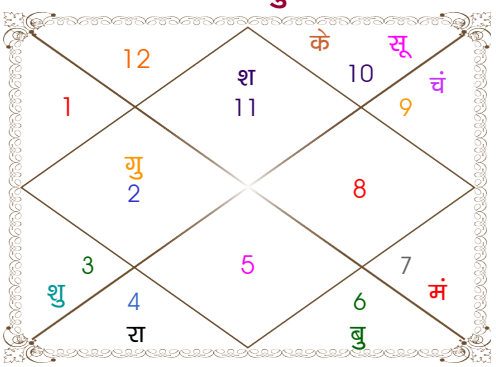

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 16 वर्ष 9 मास 11 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
09/08/2000		21/05/2017		21/05/2024		21/05/2044		21/05/2050	
21/05/2017		21/05/2024		21/05/2044		21/05/2050		21/05/2060	
बुध	18/10/2002	केतु	17/10/2017	शुक्र	20/09/2027	सूर्य	07/09/2044	चंद्र	22/03/2051
केतु	15/10/2003	शुक्र	17/12/2018	सूर्य	20/09/2028	चंद्र	09/03/2045	मंगल	21/10/2051
शुक्र	15/08/2006	सूर्य	24/04/2019	चंद्र	21/05/2030	मंगल	15/07/2045	राहु	21/04/2053
सूर्य	21/06/2007	चंद्र	23/11/2019	मंगल	22/07/2031	राहु	09/06/2046	गुरु	21/08/2054
चंद्र	20/11/2008	मंगल	20/04/2020	राहु	21/07/2034	गुरु	28/03/2047	शनि	21/03/2056
मंगल	17/11/2009	राहु	09/05/2021	गुरु	21/03/2037	शनि	09/03/2048	बुध	20/08/2057
राहु	05/06/2012	गुरु	15/04/2022	शनि	21/05/2040	बुध	13/01/2049	केतु	22/03/2058
गुरु	11/09/2014	शनि	25/05/2023	बुध	22/03/2043	केतु	21/05/2049	शुक्र	20/11/2059
शनि	21/05/2017	बुध	21/05/2024	केतु	21/05/2044	शुक्र	21/05/2050	सूर्य	21/05/2060

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
21/05/2060		22/05/2067		21/05/2085		22/05/2101		22/05/2120	
22/05/2067		21/05/2085		22/05/2101		22/05/2120		00/00/0000	
मंगल	17/10/2060	राहु	01/02/2070	गुरु	09/07/2087	शनि	25/05/2104	बुध	10/08/2120
राहु	05/11/2061	गुरु	26/06/2072	शनि	20/01/2090	बुध	02/02/2107		00/00/0000
गुरु	11/10/2062	शनि	03/05/2075	बुध	27/04/2092	केतु	13/03/2108		00/00/0000
शनि	20/11/2063	बुध	20/11/2077	केतु	02/04/2093	शुक्र	14/05/2111		00/00/0000
बुध	16/11/2064	केतु	08/12/2078	शुक्र	02/12/2095	सूर्य	25/04/2112		00/00/0000
केतु	15/04/2065	शुक्र	08/12/2081	सूर्य	20/09/2096	चंद्र	24/11/2113		00/00/0000
शुक्र	15/06/2066	सूर्य	02/11/2082	चंद्र	20/01/2098	मंगल	03/01/2115		00/00/0000
सूर्य	21/10/2066	चंद्र	03/05/2084	मंगल	27/12/2098	राहु	09/11/2117		00/00/0000
चंद्र	22/05/2067	मंगल	21/05/2085	राहु	22/05/2101	गुरु	22/05/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 16 वर्ष 9 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।